द्वितीय पृष्ठ

| क्रमांक एवं आदेश की तिथि 1 | पदाधिकारी का आदेश और हस्ताक्षर 2 | आदेश पर [की ग]ई कारवाही [के] बारे में टिपन्नी [ता]रीख सहित। 3 |
| --- | --- | --- |
| 17.4.17 | अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष अनुपस्थित। नोटिस का तामिला प्रतिवेदन प्राप्त। अभिलेख दि० 26.4.17 को रखें। उपसमाहर्त्ता भू० सु० | |
| 26.4.17 | अभिलेख उपस्थापित। स्वयं अपीलार्थी अपने विद्वान अधिवक्ता के साथ उपस्थित। विपक्षी की ओर से वकालतनामा एवं हाजरी दी गई। उभय पक्ष की ओर से एक सुलहनामा आवेदन पत्र दाखिल करते हुए अनुरोध किया गया है कि इस अपील को समाप्त किया जाय, क्योंकि अपीलार्थीगण सहमति एवं सुलहनामा के आधार पर उक्त अपील को वापस लेना चाहते हैं। अतः प्राप्त आवेदन पत्र एवं उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता के अनुरोध पर इस वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है। उपसमाहर्त्ता भू० सु० साहेबगंज। | |

Date.....

1230

0.....

1st/2015

न्यायालय अन्तर्गत

*In the Court of*

उप समाहर्ता भूमि सुधार, साहिबगज। *SAHIBGANJ*

मुटेशन केस न0 11 / 2016–17

मसो0 रेशमा खातुन वैगरह बनाम मो0 उसमान

V.O.S

D.C.L.R

6.4.17

यह अवेदन उभय पक्षकारों की ओर स दायर करते हुए ऐसा अनुरोध करना है कि –

1. यह कि अपीलार्थीयों ने यह अपील श्रीमान के समक्ष मुटेशन केस न0 449 / 12–13 के विरूद्व दायर किया है जिसमें आरोप लगाया है किनिबंधित केवाला 3979 / 12 के माध्यम से की गयी बिक्री को रद्व करने का अनुरोध किया है।
2. यह कि अपीलार्थीयों ने दुसरे गोतिया लोगों के बहकावे में आकर यह अपील कर दिया था । वास्तविक बात यह कि अपीलार्थीयों ने निबंधित केवाला के माध्यम से उपरोक्त केवाला संख्या 3979 / 12 के माध्यम से मो0 उसमान को जमीन सम्पुर्ण मुआवजा प्राप्त कर बिक्री किया है एवं मो0 उसमान ने अपने नाम से जमीन का नामांतरण भी करा लिया है इसमें अपीलार्थीयों को कोई आपत्ति नही है।
3. यह कि दोनों पक्षकार आपस में भाई बहन है दोनों पक्षों के बीच गांव के गणमान्य लोगों के समक्ष सुलह हो गया है। अपीलार्थीगण अब यह अपील को आगे लड.ना नहीं चाहते हैं।
4. यह कि अपीलार्थीयों ने अपने–अपने हिस्से की जमीन बिक्री किया है एवं जो जमीन बचा है उसे भी उचित मुआवजा लेकर रेशमा खातुन व फरजाना खातुन ने भी बिक्री करने की सहमति दी है। अब दोनों पक्षकारों के बीच किसी प्रकार का विवाद नही है। अपीलार्थीगण सुलह के आधार पर यह अपील वाद को वापस लेना चाती है।

अतः श्रीमान से अनुरोध है कि दोनो पक्षों की सहमति व सुलह के आधार पर इस अपील वाद को खारिज करने की कृपा की जाए। इस कार्य के दोनों पक्षकार श्रीमान के आभारी रहेगें।

| अपीलार्थीगण का हस्ताक्षर व टीप | उत्तरवादी का हस्ताक्षर व टीप |
|---|---|
| द्वारा दाखिल | द्वारा दाखिल |
| 26/4/17 | 26/4/17 |
| अधिवक्ता / अपीलार्थीगण | अधिवक्ता / उत्तरवादी |